



निगरानी संख्या 01/15 हजारीलाल/ग्राम पंचायत वगैरे

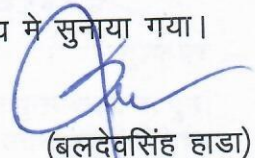
गौरे किया उस पर कोई आपत्ति नहीं आने पर स्वीकृति जारी की है जबकि प्रार्थी को गौरे स्वीकृति की जानकारी है। गणेशनारायण ने अप्रार्थी संख्या 2 के पिता भैरुबक्स के पक्ष में वसीयत की है। अतः अप्रार्थी वसीयत के आधार पर सम्पत्ति का मालिक गणेशनारायण ने ही गणेशनारायण की सेवा की थी इस कारण उसके पक्ष में वसीयत के संबंध प्रार्थी के खराब चरित्र के कारण कभी अच्छे नहीं रहे हैं। प्रार्थी ने गणेशनारायण के विरुद्ध पहले भी एक निगरानी पंचायत के पटटे के संबंध में की थी जो न्यायालय को खारिज हो चुकी है। गणेशनारायण ने भैरुबक्स के पक्ष में वसीयत की है। न्यायालय उपखण्ड अधिकारी सवाईमाधोपुर के दावा संख्या 92/83 निर्णय दिनांक 17/02/14 को खारिज कर दिया है कि प्रार्थी गणेशनारायण व अन्य के विरुद्ध उनकी खातेदारी भूमि के संबंध में दावा नहीं कर सकता है। अतः प्रार्थी को शुरू से उक्त पटटे के बारे में जानकारी रही है। गणेशनारायण की नजीर से भी उक्त निगरानी वर्षों बाद तथा स्वच्छ तथ्यों से पेश नहीं की गई। अतः प्रार्थी की निगरानी खारिज फरमाई जावे।

गणेशनारायण ने जयब ने बताया कि पंचायत अधिनियम की धारा 97 के तहत निगरानी की जा सकती है। विवादित सम्पत्ति पुश्तैनी थी। गणेशनारायण व निगरानीगुजार एक परिवार से सम्बन्धित थे जिसके बारे में अकेले पटटा बनाने का गणेशनारायण को कोई अधिकार नहीं

है। गणेशनारायण की बहस को गौर किया। पत्रावली का अध्ययन किया। पंचायत पत्रावली संख्या 25/11/10 एवं 17/02/14 को दो आवेदन पत्र सम्पूर्ण पत्रावली की नकले प्रेषित की गईं। दोनों प्रार्थना पत्रों पर उसे नकले जारी की है अतः उसने निगरानी में पंचायत पत्रावली के बारे में कोई तथ्य अंकित सोच समझकर नहीं किया है। प्रार्थी गणेशनारायण व गणेशनारायण की भूमि के बारे में दावे कर चुका है जिसमें वह असफल रहा है। अप्रार्थी संख्या 2 के पक्ष में वसीयत की है। उसे यह भी जानकारी रही है कि गणेशनारायण ने अप्रार्थी संख्या 2 के पक्ष में वसीयत की हुई है क्योंकि यह तथ्य दावे की सुनवाई में जाहिर हो चुका है। गणेशनारायण ने गौरे में गोलमोल पेश किये हैं। एकतरफ सम्पत्ति को पुश्तैनी बताता है अपना दावा गणेशनारायण का वारिस होने के नाते अपनी होना बताता है। अप्रार्थी संख्या 2 के पक्ष में वसीयत होने से इन्कार करता है। अतः अप्रार्थी के अधिवक्ता द्वारा दिये गये तर्क गणेशनारायण के दावे से प्रमाणित होते हैं।

गणेशनारायण के आधार पर प्रार्थी की निगरानी खारिज की जाती है व ग्राम पंचायत द्वारा निगरानी खारिज की जाती है।

निगरानी संख्या 01/01/2016 को लिखाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।

  
(बलदेवसिंह हाडा)  
अतिरिक्त जिला कलेक्टर,  
सवाईमाधोपुर